अभ्यास पत्रक

पाठ – अग्निपथ

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

अपठित गद्यांश प्रश्न (1 अंक प्रत्येक)

यहाँ पग-पग पर छायाएँ गहराती हैं।
काँटे गहरे चुभते हैं, तलुवे लहूलुहान हो जाते हैं।
लेकिन चलना है, चलते रहना है।
रुकना नहीं है, झुकना नहीं है।
साहस और संकल्प की अग्निपरीक्षा यही है।

1. पग-पग पर क्या गहराता है?

उत्तर - .....
.....

2. 'रुकना नहीं है, झुकना नहीं है' – इस पंक्ति से क्या संदेश मिलता है?

उत्तर - .....
.....

3. लेखक किस प्रकार की परीक्षा की बात कर रहा है?

उत्तर - .....
.....

अभिकथन-तर्क प्रश्न और बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक प्रत्येक) सही विकल्प पर चिन्ह लगायें

4. अभिकथन (A): साहस और संकल्प से ही जीवन में सफलता मिलती है।
   तर्क (R): अग्निपथ पर चलना आसान होता है।
   (A) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं और तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।
   (B) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं, लेकिन तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता।
   (C) अभिकथन सही है, तर्क गलत है।
   (D) अभिकथन गलत है, तर्क सही है।
5. अभिकथन (A): 'अग्निपथ' कविता में जीवन-संघर्ष का चित्रण है।
   तर्क (R): कवि ने जीवन को सरल और सुगम बताया है।
   (A) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं और तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।
   (B) अभिकथन और तर्क दोनों सही हैं, लेकिन तर्क, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता।
   (C) अभिकथन सही है, तर्क गलत है।
   (D) अभिकथन गलत है, तर्क सही है।
6. 'अग्निपथ' कविता के रचयिता कौन हैं?
   a) मैथिलीशरण गुप्त b) हरिवंश राय बच्चन
   c) रामधारी सिंह दिनकर d) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
7. अग्निपथ किसे दर्शाता है?
   a) सरल जीवन b) ऐश्वर्य का मार्ग c) संघर्षमय जीवन का मार्ग d) त्याग का मार्ग
8. कवि के अनुसार अग्निपथ पर कैसा चलना चाहिए?
   a) धीरे-धीरे b) रुक-रुक कर c) मजबूरी में d) निरंतर
9. 'तलुवे लहूलुहान हो जाते हैं' – इस कथन का अर्थ है:
   a) सुखद अनुभव b) आराम c) पीड़ा और संघर्ष d) सफलता

10. 'छायाएँ गहराती हैं' – इसका भावार्थ क्या है?

a) अंधकार का डर b) बढ़ती कठिनाइयाँ c) रात का समय d) पेड़ की छाया

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक प्रत्येक)

11. अग्निपथ पर चलने का क्या महत्व है?

उत्तर - .....

.....

.....

12. कविता में प्रयुक्त किसी एक प्रतीक का वर्णन कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

13. 'संकल्प' शब्द का प्रयोग किस संदर्भ में किया गया है?

उत्तर - .....

.....

.....

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (किसी एक का उत्तर दीजिए - 4 अंक)

14. 'अग्निपथ' कविता में कवि ने किस प्रकार जीवन के संघर्षों को चित्रित किया है?

या

कविता का केंद्रीय भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

निबंधात्मक प्रश्न (5 अंक)

15. 'संघर्ष ही जीवन है' – इस विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तर कुंजी

1. छायाएँ
2. कठिनाइयों में भी डटकर आगे बढ़ना चाहिए।
3. साहस और संकल्प की अग्निपरीक्षा की।
4. (b)
5. (b)
6. b
7. c
8. d
9. c
10. b
11. अग्निपथ पर चलने का अर्थ है कठिनाइयों और संघर्षों से डरकर पीछे न हटना। यह साहस, आत्मबल और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है, जो हमें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।
12. कविता में "अग्निपथ" एक प्रतीक है जो जीवन के संघर्षों, कठिन परिस्थितियों और आत्मबल का प्रतिनिधित्व करता है। यह प्रतीक बताता है कि कठिन रास्ते ही सच्ची सफलता की ओर ले जाते हैं।
13. 'संकल्प' शब्द का प्रयोग इस संदर्भ में किया गया है कि व्यक्ति को कठिनाइयों के बावजूद अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ निश्चय और अटल संकल्प बनाए रखना चाहिए।
14. **'अग्निपथ' कविता में कवि ने किस प्रकार जीवन के संघर्षों को चित्रित किया है?**
    कवि हरिवंश राय बच्चन ने 'अग्निपथ' कविता में जीवन के मार्ग को संघर्षों से भरा बताया है। उन्होंने अग्निपथ को प्रतीक बनाकर यह संदेश दिया है कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए कठिनाइयों और दुखों से गुजरना आवश्यक है। कविता में वे कहते हैं कि चाहे रास्ता कितना भी कंटीला, ज्वालामुखियों से भरा या दुःखदायी क्यों न हो, मनुष्य को बिना रुके, बिना डरे, उस पर चलते रहना चाहिए। यह कविता आत्मबल, साहस और अडिग संकल्प की प्रेरणा देती है।
15. **'संघर्ष ही जीवन है' – इस विषय पर अनुच्छेद:**
    संघर्ष जीवन का अभिन्न अंग है। बिना संघर्ष के जीवन अधूरा और निष्क्रिय हो जाता है। हर मनुष्य को जीवन में किसी न किसी रूप में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यही संघर्ष व्यक्ति को मजबूत बनाते हैं और सफलता की ओर अग्रसर करते हैं। जैसे बीज को अंकुर बनने के लिए मिट्टी को चीरना पड़ता है, वैसे ही मनुष्य को भी जीवन में आगे बढ़ने के लिए चुनौतियों से जूझना पड़ता है। संघर्ष से ही आत्मबल, धैर्य और संकल्प की भावना उत्पन्न होती है। अतः यह सत्य है कि **संघर्ष ही जीवन है** – जो व्यक्ति इस सत्य को समझ लेता है, वह कभी हार नहीं मानता।